Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to provide financial assistance to drought affected Madhya Pradesh.

श्री गणेश सिंह (सतना) ः मध्य प्रदेश के 18 जिले भयंकर सूखे से प्रभावित हैं। प्रदेश के 17749 गांव की 07.52 लाख हैक्टेयर कृषि भूमि पर सूखे का असर हुआ है। 2.46 करोड़ लोग प्रभावित हुए हैं। केंद्रीय अध्ययन दल जून-सितंबर, 2017 के दौरान सूखे से संबंधित जानकारी जुटाने के लिए मध्य प्रदेश गया था। मध्य प्रदेश सरकार ने 3705.95 करोड़ रूपये धनराशि का प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा था। किंतु अभी तक कृषि सहकारिता और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने सहायता राशि स्वीकृत नहीं की। प्रदेश को अभी तक कोई सहायता नहीं दी गई। जिन किसानों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीमा कराया था उनका भी सर्वेक्षण अभी तक नहीं हुआ, फसल बीमा में ऋणी तथा गैर ऋणी किसानों ने बीमा कराया था जिसमें जो फसल चिन्हित की गई थी उसका जो नुकसानी का क्षेत्र है व पटवारी हल्का है, जबकि किसान के खेत को इकाई बनाया जाना चाहिए, जो योजना के अनुसार 40 दिन के अन्दर नुकसान की राशि किसान के खाते में पहुँचना चाहिए, जिसका पालन अभी तक नहीं किया गया। बीमा कम्पनियों का संबंधित क्षेत्र में कार्यालय भी नहीं खुला है। मेरी भारत सरकार से मांग है कि सूखा प्रभावित मध्य प्रदेश राज्य को तत्काल सहायता राशि उपलब्ध कराई जाये तथा बीमा कम्पनी को कड़े निर्देश दिये जायें।